



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 506]

मई विल्सी, शुक्रवार, नवम्बर 16, 1990/ कार्तिक 25, 1912

No. 506] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 16, 1990/KARTIKA 25, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही आती है विस्तरे कि यह अलग संकलन के काम में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

भ्रष्टाचाराएं

मई विल्सी, 16 नवम्बर, 1990

सं. 157/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.मि. 914 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की ओर 5क की उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भीर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की भ्रष्टाचारा सं. 94/81-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 अप्रैल, 1981 को अधिकात करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की घन्ताघाती के अध्याय 71 के अंतर्गत आने वाले किसी भी प्रकार के स्वर्ण से विभिन्न की सहायता से संपरिवर्तित प्रायमिक स्वर्ण को, उक्त पहली घन्ताघाती में विनियिष्ट उत्पाद पर उत्प्रहृणीय उत्पाद शुल्क के उन्ने भाग से वित्तना 175 रु. प्रति किलोग्राम की दर से संगठित रकम से अधिक है, छूट देती है।

"संस्टीकरण—इस भ्रष्टाचारों के प्रयोजनों के लिए, प्रायमिक स्वर्ण से किसी अपरिसंजित या भ्रष्टाचारों के रूप में स्वर्ण अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत सिलिका, ब्राक्साइट, ब्लाक, स्लैब, विलेट, शाट, फ्लट, छाँड़, चादरें परिकार और तार हैं।"

[का.सं. 332/39/90-टी आर यू]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 16th November, 1990

NO. 157/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 914(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 94/81-Central Excises, dated the 1st

April, 1981, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts primary gold converted with the aid of power from any form of gold and falling within chapter 71 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) from so much of that portion of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of Rs. 175/- per kilogram.

“Explanation : For the purposes of this notification, primary gold, means gold in any unfinished or semi-finished form and includes ingots, bars, blocks, slabs, billets, shots, pellets, rods, sheets, foils and wires”.

[F. No. 332/39/90-TRU]

सं. 158/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 915 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाते पर कि सोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 53/86-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 10 फरवरी, 1986 में निम्नलिखित और संगोष्ठी रुपाएँ हैं, प्रथमतः :—

उक्त अधिसूचना में उत्तम अनुमति में,—

- (i) मद (1) में “स्वर्णकारों या रजतकारों द्वारा विनिर्मित” शब्दों को लोप किया जाएगा ;
- (ii) निम्नलिखित स्पष्टीकरण यां में अंतर्धापित किया जाएगा, प्रथमतः :—

“स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “आभूषण” से परिसंचित स्पष्टीकरण में कोई ऐसी चीज अभियेत हैं जो वैयक्तिक धूंगार के लिए या किसी भूलि, देवता या भाष्मिक पूजा के किसी अन्य सामान के अल्पकरण के लिए आवश्यित हैं जो स्वर्ण या जादी या बोनों से बनाई गई हैं या विनिर्मित हैं वाहे वह रसों या भणि (वास्तविक या कृतिम) अथवा मोतियों (वास्तविक, केलची या नकली) या उनमें से सभी या किसी से जड़ाक हों अथवा नहीं और इसके प्रत्यंगत आभूषणों के भाग, लाकेट या टूटे हुए हिस्से हैं।”

[फा.सं. 332/39/90-टी भार पू]

NO. 158/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 915(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance

(Department of Revenue) No. 53/86-Central Excises, dated the 10th February, 1986, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification,—

- (i) in item (1), the words “manufactured by goldsmiths or silversmiths” shall be omitted;
- (ii) the following explanation shall be inserted at the end, namely :—

“Explanation : For the purposes of this notification, “ornament” means a thing, in a finished form, meant for personal adornment or for the adornment of any idol, deity or any other object of religious worship, made of, or manufactured from, gold or silver or both, whether or not set with stones or gems (real or artificial) or with pearls (real, cultured or imitation), or with all or any of them and includes parts, pendants or broken pieces of ornaments”.

[F. No. 332/39/90-TRU]

सं. 158/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 916(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाते पर कि सोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 228/88—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 6 जुलाई, 1988 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथमतः :—

उक्त अधिसूचना में,—

- (i) स्पष्टीकरण को “स्पष्टीकरण 1” के रूप में संशोधित किया जाएगा ;
- (ii) इस प्रकार संशोधित “स्पष्टीकरण 1” के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतर्धापित किया जाएगा, प्रथमतः :—

“स्पष्टीकरण 2 :—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए स्वर्ण के संबंध में “वस्तु” से (आभूषणों से भिन्न) परिसंचित रूप में ऐसी कोई चीज अभियेत होती जो स्वर्ण से बनाई गई है, उससे निमित की गई या उसमें स्वर्ण है और इसके अंतर्गत कोई स्वर्ण सिक्का और स्वर्ण की किसी वस्तु के दूटे हुए टुकड़े भी हैं, किन्तु इसके अंतर्गत प्राथमिक स्वर्ण, अर्थात् किसी अपरिसंजित या प्रार्थ-परिसंजित स्पष्टीकरण में जिसके अंतर्गत सिलिका, मलाकार्प, ल्वाक, स्लैब, गिलेट, शाट, पैलट, छाँड़, चावरें, परिकार्प और तार हैं, स्वर्ण नहीं हैं।”

[फा.सं. 332/39/90-टी भार पू]

भार.के. महाजन, अवर सचिव

NO. 159|90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 916(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 228|88-Central Excises, dated the 6th July, 1988, namely :—

In the said notification,—

- (i) the “Explanation” shall be numbered as “Explanation I”;
- (ii) after “Explanation I” as so numbered, the following Explanation shall be inserted, namely :—

“Explanation II : For the purposes of this notification, “articles” in relation to gold shall mean any thing (other than ornaments), in a finished form, made of, manufactured from or containing, gold and includes any gold coin and broken pieces of an article of gold but does not include primary gold, that is to say, gold in any unfinished or semi-finished form including ingots, bars, blocks, slabs, billets, shots, pellets, rods, sheets, foils and wires”.

[F. No. 332|39|90-TRU]

R. K. MAHAJAN, Under Secy.

